# ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

## कामेश्वरनगर, दरभंगा

पी-एच.डी. (मैथिली) उपाधि हेतु प्रस्तुत

**शोध-प्रबंधक प्रारूप**

**विषय : मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक विश्लेषण**

**संकाय : मानविकी**


**शोध-निर्देशक**

अशोक 30.3.24

**(प्रो० अशोक कुमार मेहता)**

प्राचार्य

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वरनगर, दरभंगा 846004

**शोधार्थी**

Rajnath Pandit 30/03/2024

**(राजनाथ पंडित)**

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000042

पैट क्रमांक- E2211011

ग्राम- दहसील,

पोस्ट- रतनपुर, थाना- सिंघवाड़ा,

जिला- दरभंगा (बिहार),

पिन कोड 847307

# मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक विश्लेषण

भारत वैदिक कालहिसँ कृषि प्रधान देश रहल अछि आ प्राचीन भारतीय आर्यक आर्थिक सम्पन्नतामे कृषिक महत्वपूर्ण भूमिका रहल अछि। ऋग्वेदक पहिल मण्डलमे उल्लेख भेटैछ जे अश्विन देवता राजा मनुकेँ हऽर चलौनाइ सिखौलनि आ एक ठाम अपाला अपन पिता अत्रिसँ खेतक समृद्धिक लेल चर्चा कयने छथि। यजुर्वेदमे पाँच प्रकारक चाउरक चर्चा भेटैत अछि। अथर्ववेदमे सेहो वर्णन भेटैत अछि। एहिसँ ई सिद्ध होइत अछि जे वैदिक कालमे कृषिक प्रधानता छल। रामायण कालमे राजा जनककेँ हऽर चलबैत काल भूमिसँ माता सीता भेटल रहथिन। एहिना कृष्णक अग्रज बलरामकेँ हलधर कहल जाइत छनि। ई महाभारत कालीन कृषि-कर्मकेँ द्योतित करैत अछि। महामुनि पराशर अपन रचना 'कृषि संग्रह'मे कृषिक महत्ताकेँ रेखांकित कयलनि अछि। महाकवि कालिदासक 'ऋतुसंहार'मे भारतक जलवायु एवं ऋतुक सजीव चित्रण भेल अछि जे कृषि एवं उद्यान विज्ञानक लेल आवश्यक मानल जाइत अछि। शुद्रकक 'मृच्छकटिक'मे जौ आ धानक उल्लेख भेटैत अछि। बौद्ध ग्रन्थमे उल्लेख अछि जे भारतीयकेँ अन्न आ साग प्रिय छल। मुगल साम्राज्यमे गैर खाद्य आ नकदी फसिलक उत्पादनमे वृद्धि भेल। स्वतंत्रता-संग्राममे अंग्रेजक विरुद्ध 'किसान आंदोलन'क भूमिका उल्लेखनीय अछि। सन् 1962 ई. मे भारत पर चीनी आक्रमण भेल तँ तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री अपन देशक जवान आ किसानक मनोबलकेँ बढ़बैत 'जय जवान जय किसान'क नारा देलनि।

समय-सापेक्ष कृषि-कर्मक स्वरुप परिवर्तित होइत रहल अछि। कृषिक परम्परागत तरीकामे परिवर्तन भेल आ हऽर बड़दक स्थानपर मशीनक प्रयोग होमय लागल।

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

देशक तत्कालीन परिस्थितिक प्रभाव साहित्य पर सेहो पड़ल। मैथिली साहित्यमे आदिकालसँ ल'क' एखनधरिक रचनामे किसानक यथार्थवादी चित्रण बहुत बेसी नहि भेल अछि। तथापि कृषि सम्बन्धित डाक घाघक वचन अद्यावधि लोकक कण्ठमे निवास क' रहल अछि –

**उत्तम खेती, मध्यम बान**

**अधम चाकरी भीख निदान**

अर्थात् खेतीकेँ सर्वोत्तम स्थान देल गेल अछि। कविशेखराचार्य ज्योतिरीश्वर ठाकुरक 'वर्णरत्नाकर'मे कृषि एवं पशुपालन संबंधी अनेक शब्दावली भेटैत अछि। कवि कोकिल विद्यापतिक रचनामे कृषि-कर्म अपन सम्पूर्ण सामर्थ्य आ विन्यासक संग उपस्थित अछि।

हिन्दी साहित्यमे सेहो भक्तिकालीन कविमे प्रमुख कबीर, तुलसी, सूर एवं जायसीक कवितामे कृषि आ किसान-जीवनक गरिमापूर्ण परिवेशक चर्चा भेटैत अछि। संगहि प्रेमचन्द,फणीश्वरनाथ रेणु, मैथिलीशरण गुप्त,महादेवी वर्मा आदि महान साहित्यकार अपन रचनामे किसानक दयनीय स्थितिक गहींर चिन्तन आ सहानुभूतिकेँ अभिव्यक्त कयने छथि। कवीश्वर चन्दा झा मिथिलाक दाही-रौदीक विभीषिकासँ मुक्त सुखमय जीवनक कामना कयलनि से अद्यपर्यंत साहित्यमे भेटैत अछि।

किसान नहि केवल खेती करैत अछि अपितु पशुपालन, मत्स्यपालन, मधुमांछीपालन, वृक्षारोपण आ पर्यावरण संरक्षणक काज सेहो करैत छथि। कृषक लोकनि कृषिसँ संबंधित अपन अनुभवकेँ अगिला पीढ़ीकेँ बतबैत छलाह जे कालांतरमे लोकसाहित्यक रुपमे प्रचलित भेल। अर्थात् गीत आदिमे सेहो कृषि-कर्मक वर्णन भेटैत अछि।

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

**शोधक आवश्यकता एवं महत्व :-**

कृषि मानव जीवनक मूलाधार थिक। अन्न, वस्त्र आ मकान प्रत्येक मनुक्खक मूलभूत आवश्यकता थिक। अन्न उपजौनिहार अन्नदाताकेँ कृषि सुख, समृद्धि, सम्पति आ मेधा प्रदान करैत अछि। ई शोध कृषि-कर्म पर आधारित काव्य, कथा, उपन्यास आ निबन्ध आदिमे वर्णित कृषि संस्कृतिकेँ उजागर करबाक दृष्टिसँ आवश्यक अछि। आदिकालसँ एखनधरिक मैथिली साहित्यमे परिवर्तन होइत रहल आ ओहि परिवर्तनकेँ परखबामे हमर रचनाकार कतय धरि सफल भेलाह अछि एहि दृष्टिसँ सेहो शोधक विशिष्ट महत्त्व अछि।

**पूर्वमे कयल गेल शोध विषयक कार्य :-**

हमरा जनैत ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा एवं अन्य विश्वविद्यालयमे 'मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक विश्लेषण' विषय पर शोध कार्य नहि भेल अछि। अतः प्रस्तावित शोध सर्वथा मौलिक एवं नवीन अछि।

**शोधक परिकल्पना :-**

प्रस्तुत शोध परियोजनाक परिकल्पना अछि जे वर्तमान साहित्यकार, साहित्यप्रेमी, काव्य मर्मज्ञ, विद्यार्थी, शिक्षक एवं शोधार्थीक समक्ष कृषि साहित्यसँ सम्बंधित विस्तृत जानकारी विश्लेषनात्मक रुपसँ प्रस्तुत कयल जायत।

मैथिली साहित्यमे रचित कृषि आधारित विभिन्न रचनाक विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकनसँ एहि परिकल्पनाकेँ जाँचल परखल जायत।

**शोधक स्त्रोत एवं प्रविधि :-**

शोधक स्रोतकेँ रूपमे हम प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोतक उपयोग करब। शोध-प्रबंधसँ संबंधित विषयक सामग्री लेल सार्वजनिक, सांस्थानिक एवं

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

निजी पुस्तकालय, Webbing, Internet, उपलब्ध साहित्यकार एवं पुरस्कृत किसान लोकनिसँ साक्षात्कार लेबाक प्रयास करब।

शोध प्रविधिमे उपलब्ध सभ संकलित सामग्रीक वर्णनात्मक,विवरणात्मक, विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक प्रविधिकेँ अपनबैत एहि शोध प्रबंधकेँ तैयार करब।

**शोधक उद्देश्य :-**

कृषि जीविका नहि अपितु एकटा जीवन-शैली थिक तेँ साहित्यकार, कवि ओ संत लोकनि अपन साहित्यमे एकर खूब वर्णन कयने छथि। प्रस्तुत शोध-कार्यमे मैथिली साहित्यक विभिन्न साहित्यकारक विवेच्य विषयसँ संबंधित रचनाक विश्लेषण करब। हमर प्रयास रहत जे मैथिली साहित्यक अध्येता ओ साहित्यकार लोकनिक ध्यान कृषि-कर्म दिस आकृष्ट करी।

विवेच्य विषयसँ संबंधित पोथी,पत्र पत्रिकाक अध्ययन क' साहित्य सामग्रीक रुपमे उपस्थित करब शोध कार्यक मूल एवं निहित उद्देश्य अछि।

एहिसँ विद्वान, शिक्षक, पाठक एवं शोधार्थी हेतु विवेचित विषयसँ संबंधित तथ्य उपस्थित भ' सकत।

**शोध-प्रबन्धक सम्भावित रूपरेखा :-**

**पहिल अध्याय** : भारतीय साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक पृष्ठभूमि

**दोसर अध्याय** : मैथिली लोकसाहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

**तेसर अध्याय** : मैथिली काव्य साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

**चारिम अध्याय** : मैथिली कथा साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

**पाँचम अध्याय** : मैथिली उपन्यास साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

**छठम अध्याय** : मैथिली नाट्य साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

**सातम अध्याय** : मैथिली निबन्ध एवं अन्य साहित्यिक विधामे अभिव्यक्त कृषि-कर्म

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

परिशिष्ट :-

[क] उपसंहार

[ख] अधीत ग्रन्थक सूची

[ग] सहायक ग्रन्थक सूची

[घ] पत्र-पत्रिकाक सूची

शोध प्रबंधक विभिन्न अध्यायक संभावित स्वरुप एहि प्रकारेँ रहत :-

पहिल अध्याय 'भारतीय साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक पृष्ठभूमि'मे भारतीय साहित्यमे प्रचलित कृषि आ किसानक ऐतिहासिकता, किसान आन्दोलन एवं किसानक समस्याक वर्णन करब।

दोसर अध्याय 'मैथिली लोकसाहित्यमे अभिव्यक्त कृषि कर्म'क अंतर्गत लोकगीत, लोकगाथा, लोकनृत्य, लोकनाट्य एवं फकड़ा आदिमे व्याप्त कृषि- संस्कृति ओ सौंदर्यक मूल्यांकन करब।

तेसर अध्याय 'मैथिली काव्य साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म'मे कृषि साहित्य पर कलम चलौनिहार प्रमुख कवि एवं हुनक कवितामे आयल कृषि-कर्म, कृषकक श्रम सौंदर्य, कृषक चेतना आदिक विश्लेषण करब।

चारिम अध्याय 'मैथिली कथा साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म'क अंतर्गत मैथिली साहित्यमे प्रमुख कथाकार ओ हुनक कथामे प्रचलित कृषि-कर्मक अध्ययन-अनुशीलन क' विवेचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करब।

पाँचम अध्याय 'मैथिली उपन्यास साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म'मे मैथिलीक महत्वपूर्ण उपन्यासकार एवं हुनक उपन्यास यथा पृथ्वीपुत्र, बलचनमा, भौरुकवा एवं खोंता आ चिड़ै आदिमे वर्णित कृषि-कर्म पर विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करब।

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

छठम अध्याय 'मैथिली नाट्य साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्म'क अंतर्गत मैथिलीक सुप्रसिद्ध नाटक यथा ओकरा आंगनक बारहमासा,नायकक नाम जीवन, आगि धधकि रहल अछि एवं कुहेस आदि नाटकमे वर्णित कृषि-कर्मक विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करब।

सातम अध्याय 'मैथिली निबन्ध साहित्यमे अभिव्यक्त कृषि-कर्मक विश्लेषण'क अंतर्गत मैथिलीक लब्धप्रतिष्ठित निबन्धकार ओ हुनक निबन्धमे चित्रित कृषकक जीवन ओ सौंदर्यक वर्णन विश्लेषणात्मक रुपेँ करब।

आवश्यकतानुसार शोध प्रबंधमे परिवर्तन- परिवर्द्धन कयल जा सकैत अछि।

**परिशिष्ट :-**

[क] उपसंहार

उपसंहारमे समस्त शोध-कार्यक सारांश प्रस्तुत कयल जायत। शोध कार्यक विभिन्न शोध बिन्दुक अंतर्गत जे कार्य कयल जायत तकरा संक्षिप्त रुपेँ एहूठाम विवेचन कयल जायत। कृषि-कर्म कतेको अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि से एतय देखाओल जायत।

[ख] अधीत ग्रन्थक सूची

1. मिश्र, डॉ० जयकान्त, 2015 (पुनर्मुद्रण), मैथिली साहित्यक इतिहास, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी
2. झा, डॉ० दुर्गानाथ 'श्रीश' , 2023-24 (पाँचम संस्करण), मैथिली साहित्यक इतिहास, पटना : जेनरल बुक एजेन्सी
3. मिश्र, मायानन्द, 2017 (पुनर्मुद्रण), मैथिली साहित्यक इतिहास, सुपौल : किसुन संकल्प लोक

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

4. झा, डॉ० देवकान्त, 2017 (प्रथम संस्करण), आधुनिक मैथिली साहित्यक इतिहास, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी

5. झा, डॉ. दिनेश कुमार, 2012 (चतुर्थ संस्करण), मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, पटना : मैथिली अकादमी

6. झा, म० म० परमेश्वर, 2013 (द्वितीय संस्करण), मिथिला तत्त्व विमर्श, पटना : मैथिली अकादमी

7. ठाकुर, पं. श्री जीवानंद, 1949-50 , मैथिल डाक, दरभंगा : मैथिली साहित्य परिषद

8. झा, डॉ० शशिनाथ (सं.), 2021, डाकवचन संहिता, मधुबनी : ब्राह्मणी प्रकाशन

9. मिश्र, प्रो० आनन्द एवं झा, श्री गोविन्द (सं०), 1980 (प्रथम संस्करण), वर्णरत्नाकर, पटना : मैथिली अकादमी

10. झा, श्री योगेश्वर, 1979 (प्रथम संस्करण), नोर, पटना : मैथिली अकादमी

11. चौधरी, मथुरानन्द 'माथुर' , 1985 (प्रथम संस्करण), कृषक, पटना : मैथिली अकादमी

12. श्रीनिवास, शिवशंकर, 1991 (प्रथम संस्करण), अदहन, पटना : भाखा प्रकाशन

13. ठाकुर, अरविन्द, 1993 (प्रथम संस्करण), परती टुटि रहल अछि, सुपौल : किसुन संकल्प लोक

14. मिश्र, वैद्यनाथ 'यात्री', 2003 (पहिल संस्करण), यात्री समग्र, पटना : राजकमल प्रकाशन

15. झा, सुरेश्वर, 2004 (द्वितीय संस्करण), चारि सेर धान, दरभंगा : रंभा प्रकाशन राजकुमारगंज

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

16. मंडल, जगदीश प्रसाद, 2017 (प्रथम संस्करण), कृषियोग, सुपौल : पल्लवी प्रकाशन

17. झा, डॉ. धीरेश्वर 'धीरेन्द्र', 1984 (द्वितीय संस्करण), भोरुकवा, मधुबनी : साधना प्रकाशन लोहना

18. ललित, 2012 (चतुर्थ संस्करण), पृथ्वीपुत्र, पटना : मैथिली अकादमी

19. पराशर, पंकज , 2017 (पहिल संस्करण), जलप्रांतर, सुपौल : किसुन संकल्प लोक

20. मिश्र, मायानन्द , 2021 (तेसर संस्करण), खोंता आ चिड़ै , गाजियाबाद : अंतिका प्रकाशन

21. झा, दिलीप कुमार, 2021 (प्रथम संस्करण), सिराउर, दिल्ली : सिद्धिरस्तु

22. आनन्द, विभूति (सं०), 2012 (प्रथम संस्करण), ललित समग्र, पटना : मैथिली अकादमी

23. झा, डॉ० रमानन्द 'रमण'(सं०), 2020 (प्रथम संस्करण), मैथिली कथाक धाप, मधुबनी : अखियासल प्रकाशन

[ग] सहायक ग्रन्थक सूची

1. मेहता, अशोक कुमार, 2004 (प्रथम संस्करण), तात्पर्य, दरभंगा : जखन-तखन

2. झा, डॉ. रागिनी एवं झा, डॉ. रत्नेश कुमार 2009 (पहिल प्रकाशन), संस्कृत साहित्य और कृषि विद्या, वाराणसी : कला प्रकाशन

3. पटनायक, किशन , 2009, किसान आंदोलन : दशा और दिशा, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

4. शशिधर, रामाज्ञा, 2012 (पहिल संस्करण), किसान आंदोलन की साहित्यिक जमीन, गाजियाबाद : अंतिका प्रकाशन

Self Attested
Rajnath Pandit
30/03/2024

5. गौरीनाथ (सं०), 2019 (पहिल संस्करण), कोसी के किसान, सुपौल : कोसी प्रतिष्ठान

6. जैन, अंकिता, 2020 (प्रथम संस्करण), ओह! रे किसान, नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन

7. गौरीनाथ (सं०), 2022 (पहिल संस्करण), किसान आंदोलन आ मिथिला समाज, गाजियाबाद : अंतिका प्रकाशन

**[घ] पत्र पत्रिकाक सूची**

- मिथिला मिहिर
- मिथिला दर्शन
- स्वदेश
- घर-बाहर
- विदेह इंटरनेट पत्रिका
- तीरभुक्ति, आदि

अशोक 30.3.24
शोध-निर्देशकक हस्ताक्षर
अशोक कुमार मेहता
प्राचार्य, विश्वविद्यालय मैथिली विभाग
ल० ना० मि० वि०, दरभंगा

Rajnath Pandit
30/03/2024
शोधार्थीक हस्ताक्षर